पाकिस्तान को चीन की नसीहत, 'भारत के साथ तनाव बढ़ाने से बचें, संबंध खराब न करें'

दुनिया. जम्मू और कश्मीर से भारत द्वारा अनुच्छेद 370 हटाए जाने से बौखलाया पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद मांगता फिर रहा है, लेकिन उसे हर जगह से मायूस होना पड़ा रहा. इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए शुक्रवार को चीन गए पाकिस्तान के विदेश मंत्री को चीन ने नसीहत देते हुए कहा कि पाकिस्तान कश्मीर पर तनाव को बढ़ाने से बचे और वह भारत के साथ अपने संबंधों को और खराब न करे.

दरअसल, पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी जम्मू एवं कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द करने के भारत के फैसले पर चीनी नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श करने के लिए चीन रवाना हुए थे. शुक्रवार सुबह बीजिंग के लिए उड़ान भरने से पहले कुरैशी ने कहा था, भारत अपने असंवैधानिक तौर-तरीकों से क्षेत्रीय शांति को बाधित करने पर आमादा हैउन्होंने कहा था, चीन न केवल पाकिस्तान का मित्र है, बल्कि क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देश भी है. वह स्थिति पर चीन के नेतृत्व को विश्वास में लेंगे. इस दौरान उनके साथ विदेश सचिव सोहेल महमूद और अन्य उच्च अधिकारी भी थे. उल्लेखनीय

है कि भारत सरकार ने सोमवार को जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था.इससे पहले पाकिस्तान को इस मामले में यूएनएससी से झटका मिला. यहां तक की एक प्रेस वार्ता में जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष जोआना रोनेका से भारत के इस ऐतिहासिक फैसले को यूएनएससी के प्रस्ताव का उल्लंघन बताने संबंधी पाकिस्तान के दावे पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि अपना पर्स उठाया और वह चली गईं..संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष जोआना रोनेका से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूछा गया कि पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) को एक पत्र लिखा गया है, इस पर आपका क्या जवाब है? इस सवाल को सुनते ही जोआना रोनेका ने अनसुना कर दिया और वह अपना पर्स उठाकर चल दीं. इस तरह साफ हो गया कि संयुक्त राष्ट्र भी इस मसले पर कोई हस्तक्षेप करने में मूड में नहीं है. इसके साथ ही अमेरिका से भी पाकिस्तान को झटका लगा है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साफतौर पर कहा है कि कश्मीर पर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं होगा. अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मॉर्गन ओर्टागस ने मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए साफ किया कि कश्मीर में अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा.उन्होंने कहा कि हमारे भारत और पाकिस्तान के बीच कई सारे मामले हैं. उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अमेरिका आए. लेकिन वह कश्मीर के लिए नहीं आए थे. कश्मीर एक ऐसा मुद्दा है जिसे हम काफी नजदीक से देख रहे हैं. लेकिन इसके अलावा भी कई सारे ऐसे मुद्दे हैं, जिनपर हम भारत और पाकिस्तान के साथ काफी नजदीक से काम कर रहे हैं.

UNSC अध्यक्ष से PAK के कश्मीर पर लिखे पत्र पर पूछा गया था सवाल, नहीं दिया भाव, पर्स उठाया और चल दीं

दुनिया. जम्मू और कश्मीर से भारत द्वारा अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पाकिस्तान इस कदर बौखलाया हुआ है कि अब दुनिया के सामने अपना रोना रो रहा है. उसने इस मसले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) को एक पत्र भी लिखा है, लेकिन पाकिस्तान को इस मामले में यूएनएससी से झटका मिला है. यहां तक की एक प्रेस वार्ता में जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष जोआना रोनेका से भारत के इस ऐतिहासिक फैसले को यूएनएससी के प्रस्ताव का उल्लंघन बताने संबंधी पाकिस्तान के दावे पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने इस पर कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि अपना पर्स उठाया और वह चली गईं.दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष जोआना रोनेका से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूछा गया कि पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) को एक पत्र लिखा गया है, इस पर आपका क्या जवाब है? इस सवाल को सुनते ही जोआना रोनेका ने अनसुना कर दिया और वह अपना पर्स उठाकर चल दीं. इस तरह साफ हो गया कि संयुक्त राष्ट्र भी इस मसले पर कोई हस्तक्षेप करने में मूड में नहीं है. इसके साथ ही अमेरिका से भी पाकिस्तान को झटका लगा है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साफतौर पर कहा है कि कश्मीर पर अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं होगा. अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मॉर्गन ओर्टागस ने मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए साफ किया कि कश्मीर में अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा.उन्होंने कहा कि हमारे भारत और पाकिस्तान के बीच कई सारे मामले हैं. उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अमेरिका आए. लेकिन वह कश्मीर के लिए नहीं आए थे. कश्मीर एक ऐसा मुद्दा है जिसे हम काफी नजदीक से देख रहे हैं. लेकिन इसके अलावा भी कई सारे ऐसे मुद्दे हैं, जिनपर हम भारत और पाकिस्तान के साथ काफी नजदीक से काम कर रहे हैं.

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत

न्यूयॉर्क. फिलाडेल्फिया के नजदीक एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण बृहस्पतिवार को तीन लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह विमान एक रिहायशी इलाके में एक घर के पिछले हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

स्थानीय पुलिस के मुताबिक, फिलाडेल्फिया से करीब 20 मील की दूरी पर पेन्सिल्वेनिया के अपर मॉरलैंड में सुबह करीब छह बजे एक इंजन वाला विमान नीचे गिर गया। उन्होंने एक बयान में बताया कि उन्हें मकान में रहने वाले एक व्यक्ति ने सूचित किया कि उनके घर के पिछले हिस्से में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। अपर मॉरलैंड पुलिस ने बताया कि पुलिस विभाग को पता चला कि विमान में तीन यात्री सवार थे और हादसे में सभी मारे गए थे। बयान में बताया गया कि मृतक 60 और 54 साल की उम्र के एक दंपती और उनकी 19 वर्षीय बेटी हैं। अपर मॉरलैंड के पुलिस प्रमुख माइकल मर्फी ने संवाददाताओं को बताया कि हादसे में जमीन पर कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

भारत के साथ हर तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रतिबंधित करेगा पाकिस्तान

जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा हटाये जाने के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ हर तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बंद करने का फैसला किया है, जिसमें दोनों देशों के मनोरंजन उद्योग के बीच हर तरह के संयुक्त उपक्रम भी शामिल हैं। शुक्रवार को मीडिया में आयी खबर में यह जानकारी दी गयी। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 'भारत को ना कहें' के राष्ट्रीय नारे का आगाज किया।

इस्लामाबाद. जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा हटाये जाने के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ हर तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बंद करने का फैसला किया है, जिसमें दोनों देशों के मनोरंजन उद्योग के बीच हर तरह के संयुक्त उपक्रम भी शामिल हैं। शुक्रवार को मीडिया में आयी खबर में यह जानकारी दी गयी। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 'भारत को ना कहें' के राष्ट्रीय नारे का आगाज किया।

सूचना एवं प्रसारण पर प्रधानमंत्री की विशेष सहायक फिरदौस आशिक एवान ने कहा, ''हर तरह की भारतीय सामग्री को रोक दिया गया है और पेमरा (पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी) को भारतीय डीटीएच उपकरणों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ निगरानी बरतने का निर्देश दिया गया है।'' इससे पहले इस सप्ताह भारत ने जम्मू कश्मीर को विशेष दिये जाने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को रद्द करते हुए राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।पाकिस्तान ने भारत की इस कार्रवाई को ''एकपक्षीय और अवैध'' बताया और कहा कि वह इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जायेगा। एवान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने एक संगठन की स्थापना का फैसला किया था और पाकिस्तान को तमाम मोर्चों से ''हिंदुत्व की विचारधारा'' के खिलाफ जंग लड़नी होगी। पाकिस्तान सरकार ने देश के सिनेमाघरों में भारतीय फिल्मों के प्रदर्शन पर भी रोक लगा दी है।

एवान ने ट्वीट किया, ''पाकिस्तान के किसी सिनेमाघर में कोई भारतीय फिल्म नहीं दिखायी जायेगी। पाकिस्तान में हर तरह की भारतीय सामग्री वाले नाटक और फिल्मों पर पूरी तरह से प्रतिबंध होगा।''